पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

तान्या मित्तल को नहीं चाहिए अमीर पति

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 79 ■ सोमवार 1 जून 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ में सिलेंडर की कालाबाजारी धड़ल्ले से

■ घरेलू सिलेंडर 2500 रुपए, छोटा सिलेंडर 1025 में मिल रहा

अंबरनाथ. अंबरनाथ में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी धड़ल्ले से हो रही है. छोटा गैस सिलेंडर (6 किलो) जो दुकानों में भी मिल रहा था, उस सिलेंडर का भाव 550 से 600 रुपए था. अब ये सिलेंडर दुकानों में उपलब्ध नहीं है. कालाबाजारी में ये सिलेंडर अब डबल रेट में यानी 1025 रुपए में मिल रहा है. वहीं लोगों के घरों में इस्तेमाल होने वाला 16 किलो का गैस सिलेंडर जो 950 रुपए में मिलता है, अब कालाबाजारी में 2500 रुपए में आसानी से मिल रहा है. घरों में गैस सिलेंडर की डिलीवरी करने वालों से भी 2500 रुपए देकर ले सकते हैं. सरकार ने नियम बताया है कि अब घरेलू गैस सिलेंडर 25 दिनों के बाद बुक करा सकते हैं. इस नियम के कारण भी सिलेंडर की कालाबाजारी धड़ल्ले से हो रही है.

छोटे गैस सिलेंडर अब बाजार में नहीं मिलने के कारअ अंबरनाथ की छोटी-बड़ी कंपनियों में काम करने वाले बाहरी प्रदेश के मजदूर नौकरी छोड़कर भाग खड़े हुए हैं, जिसके कारण कई कंपनियां बंद हो गई हैं. घासलेट (राकेल) की भी कालाबाजारी जोरों पर है. एक लीटर राकेल 150 रुपये में कुछ दुकानों में दस्तयाब है. गरीब परिवार करे तो क्या करे. कुछ घरों में लकड़ियों एवं कोयले को जलाकर भोजन बनाया जा रहा है. अब हम वापस पुराने दौर में जा रहे हैं. सरकार को इस ओर गंभीरता से सोचना होगा. कालाबाजारी को बंद करने के लिए कार्रवाई भी नहीं की जा रही है. आम आदमी करे तो क्या करे? उसका जीना अब मुश्किल होता जा रहा है. व्यावसायिक सिलेंडर भी 4000 रुपयों तक ब्लैक में मिल रहा है.

केबी रोड का काम आज भी अधर में

12 साल से अधूरी सड़क का काम कब होगा पूरा

■ तीन बार करोड़ों रुपए हो चुके हैं खर्च

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर से गुजरने वाला कल्याण-बदलापुर स्टेट हाईवे, जिसे 12 साल पहले हजारों अतिक्रमण हटाकर बड़े जोर-शोर से चौड़ा किया गया था, वह अभी भी अधूरी हालत में है। इस हाईवे पर तीन बार करोड़ों रुपये खर्च करके डेवलपमेंट का काम किया गया, लेकिन सड़क के बीच में बिल्डिंग और कमर्शियल कंस्ट्रक्शन की समस्या बनी हुई है, इसलिए वाहन चालकों को ट्रैफिक जाम की समस्या से छुटकारा नहीं मिला है। इसलिए, डेवलपमेंट के काम पर खर्च हुए पैसे और प्रशासन की प्लानिंग पर अब सवाल उठने लगे हैं।

दुकानों में घुसेगा बरसाती पानी

केबी रोड पर डबल सीमेंटी रोड बनाए जाने से एक तरफ व्यापारियों में गुस्सा है तो दूसरी तरफ यह भी डर है कि कुछ दिनों में शुरू होने जा रहे मानसून के कारण बरसाती पानी उनके दुकानों में घुसेगा जिससे भारी नुकसान की पूरी पूरी संभावना है। करीब 63 करोड़ से बनाए जा रहे इस नए रोड के अब तक पूरा न होने से ट्रैफिक जाम भी रहता है तो दूसरी तरफ दुर्घटनाएं भी हो रही है। दुकानदारों का कहना है कि पहला रोड फिर भी मजबूत था लेकिन यह डबल रोड का कार्य घटिया दर्जे से हो रहा है जिस कारण यहां पर मानसून में ही गड्ढे देखने को मिलेंगे। शहर के नेता शहर के सड़कों की हालत पर चुपी साधे हुए हैं।

अतिक्रमण हटाने में है कानूनी अड़चनें

कल्याण-बदलापुर स्टेट हाईवे पर रुकावटों के कुछ मामले अभी कोर्ट में चल रहे हैं। इन मुद्दों को हल करने के लिए संबंधित विभागों के साथ रेगुलर मीटिंग की जा रही हैं और प्राथमिकता के आधार पर काम किया जा रहा है ताकि नागरिकों और चालकों को कोई परेशानी न हो और स्टेट हाईवे अपनी पूरी क्षमता के साथ ट्रैफिक के लिए उपलब्ध रहे। उल्हासनगर महानगर पालिका लगातार एक्टिव है और ज़रूरी प्रशासनिक कदम उठाए जा रहे हैं।

–मनीषा आव्हाले, उल्हासनगर मनपा आयुक्त

कल्याण-बदलापुर स्टेट हाईवे, जो कल्याण, उल्हासनगर, अंबरनाथ और बदलापुर शहरों को जोड़ता है, इलाके के लाखों लोगों के रोज़ाना आने-जाने का मुख्य रास्ता है। यह हाईवे नासिक-पुणे रूट पर ट्रैफिक के लिए भी एक ज़रूरी लिंक माना जाता है। 2014 में MMRDA ने बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाकर इस सड़क को चौड़ा और कंक्रीट किया था। उस समय उम्मीद थी कि ट्रैफिक जाम की समस्या हमेशा के लिए हल हो जाएगी। असल में, अंबरनाथ में दो कंपनियों की सीमा में सड़क को चौड़ा करने का काम अभी भी बाकी है। दूसरी ओर, पहली बार उल्हासनगर की सीमा में अतिक्रमण हटाकर सड़क तैयार की गई। राज्य का पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट उल्हासनगर सीमा में शांतिनगर से साईंबाबा मंदिर तक महत्वपूर्ण फेज में लगभग 48 करोड़ रुपये खर्च करके स्टेट हाईवे को कंक्रीट कर रहा है। लेकिन, इस प्रोजेक्ट के फ़ायदे पर सवाल उठ रहे हैं क्योंकि सड़क को चौड़ा करने में रुकावट डाल रहे अतिक्रमण और इमारतें अभी भी वहीं हैं।

खास बात यह है कि इन अतिक्रमणों को हटाने के लिए पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने नगर निगम को भी लिखा है। लेकिन, इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से नागरिकों और गाड़ी चलाने वालों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि क्या करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद स्टेट हाईवे पूरी क्षमता से ट्रैफिक के लिए उपलब्ध होगा।

सड़क-गड्ढे के डामरीकरण का कार्य किसने रोका?

■ वुलन चाल के नागरिकों में रोष

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम में वुलन चाल की खस्ता हाल, गड्ढों से भरपूर सड़क से यहां के निवासी परेशान हैं. गत कई वर्षों से सड़क का निर्माण नहीं किया गया है. गत दिनों नूर रहमान शेख एवं जाकिर शेख द्वारा इस सड़क पर डामर डालने का काम शुरू किया गया था. नपा प्रशासन को चार बार निवेदन देने एवं मुख्याधिकारी, नगराध्यक्षा से भेंट करने के बाद ये कार्य शुरू हुआ था. दो दिन गड्ढे भरे भी गए थे, लेकिन स्थानीय नगरसेवक के ऐतराज पर प्रशासन ने इस कार्य को तुरंत रुकवा दिया. जबकि इस खस्ता हाल सड़क का बनाया जाना जरूरी था. पता चला है कि नगरसेवक के पसंद का ठेकेदार ना होने से इस कार्य को रुकवा दिया गया है और ये बताया जा रहा है कि उपरोक्त दोनों सामाजिक कार्यकर्ता स्थानीय भी नहीं है.

दूसरी बात ये बताई गई है कि स्थानीय नगरसेवक को भरोसे में नहीं लेकर ये कार्य शुरू हुआ था. इसलिए इस कार्य को रोक दिया गया है. अब देखना है स्थानीय नगरसेवक इस कार्य को करने में और कितने महिने लगाते हैं जबकि वुलन चाल के श्रद्धा अस्पताल से डॉ. कंदोई के आशीर्वाद अस्पताल तक इस सड़क को तुरंत बनाना जरूरी है. सड़क के गड्ढे भरने का कार्य अच्छे पैमाने पर चल रहा था. इस कार्य को रोक देने से स्थानीय निवासी काफी नाराज हैं. लोग कोस रहे हैं. सड़क के गड्ढों में डामरीकरण होगा ये सोच कर इस सड़क को और खोद दिया गया है. मरीजों, वृद्धों, गर्भवती महिलाओं को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. एक अच्छा काम हो रहा था. उसे भी रोक देना ये यहां के निवासियों को खल रहा है. नगराध्यक्षा एवं मुख्याधिकारी, स्थानीय नगरसेवक को चाहिए कि बरसात से पहले इस सड़क के गड्ढे भर दिए जाएं.

25 हज़ार संदिग्ध बर्थ सर्टिफिकेट?

■ किरीट सोमैया ने मनपा आयुक्त के साथ की मीटिंग

उल्हासनगर. मुंबई में कथित नकली बर्थ सर्टिफिकेट स्कैम की आंच अब उल्हासनगर तक पहुंच गई है. BJP के सीनियर नेता किरीट सोमैया ने MLA कुमार ऐलानी के साथ उल्हासनगर म्युनिसिपल कमिश्नर मनीषा अव्हाले से मुलाकात की। बर्थ सर्टिफिकेट के ज़रिए नागरिकता सिस्टम से छेड़छाड़ करने का गंभीर आरोप लगाते हुए, मामले की पूरी जांच की मांग की है।

रिपोर्टरों से बातचीत करते हुए, किरीट सोमैया ने कहा कि मुंबई मनपा में करीब 20 हज़ार नकली बर्थ सर्टिफिकेट जारी करने का मामला सामने आया है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसकी जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बनाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुराने रिकॉर्ड के रिन्यूअल के नाम पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां की गई हैं।

सोमैया ने आगे कहा कि उल्हासनगर, ठाणे और कल्याण-डोंबिवली और नगर निगम क्षेत्र में लगभग 25 हजार संदिग्ध जन्म प्रमाण पत्र जारी किए जाने की संभावना है, और इस संबंध में राज्य के 12 अन्य नगर निगमों में भी जांच की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जन्म प्रमाण पत्र घोटाला केवल दस्तावेजी धोखाधड़ी का मामला नहीं है, बल्कि देश की नागरिकता व्यवस्था से जुड़ा एक बहुत गंभीर मामला है।

इस दौरे के दौरान, कमिश्नर मनीषा अव्हाले ने आश्वासन दिया कि मामले की आंतरिक स्तर पर जांच की जाएगी। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश वढारिया, उप महापौर अमर लुंड, प्रशांत पाटिल, लाल पंजाबी, संजय सिंह, टोनी सिरवानी, अर्चना करनकले, पिंटू भटीजा, बाला श्रीखंडे, सतीश मराठे और कई नगरसेवक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

KDMC में भी 2 हजार फर्जी जन्म प्रमाण पत्र

कल्याण. मुंबई समेत पूरे राज्य में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र के घोटाले का पर्दाफाश करने वाले भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कल्याण डोंबिवली नगर निगम कमिश्नर से मुलाकात की। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम की सीमा में करीब 2 हजार फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट बांटे गए। किरीट सोमैया ने बताया कि कमिश्नर ने भरोसा दिलाया कि इस मामले में एक स्पेशल जांच कमेटी बनाकर पूरी जांच की जाएगी।

बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने मौजूदा फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट मामले को लेकर गुरुवार को KDMC हेडक्वार्टर का दौरा किया। इस मौके पर उन्होंने नगर निगम कमिश्नर अभिनव गोयल और मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ मीटिंग भी की। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, उन्होंने साफ आरोप लगाया कि कल्याण डोंबिवली नगर निगम की सीमा में पहले राउंड में करीब 2 हजार फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट मिले हैं।

चल रहे SIR कैंपेन में किरीट सोमैया ने साफ कहा कि इन फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट वालों के नाम किसी भी हालत में वोटर लिस्ट में नहीं आने चाहिए और इन बर्थ सर्टिफिकेट को जारी करने वाले संबंधित अधिकारियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग की।

उल्हासनगर महानगर पालिका के अकाउंट्स ऑफिसर वायदंडे सेवानिवृत्त

उल्हासनगर. पिछले 29 महीनों से उल्हासनगर महानगर पालिका में अकाउंट्स ऑफिसर का पद संभाल रहे संजय वायदांडे, कई शहरों में अपनी पहचान बनाने के बाद शुक्रवार, 29 मई को रिटायर हो गए। अपने विदाई समारोह में बोलते हुए, संजय वायदंडे यह कहते हुए भावुक हो गए कि इस शहर की यादें हमेशा उनकी स्मृति में रहेंगी। संजय वायदंडे ने 1991 में वन विभाग में काम करना शुरू किया था। वे एक बेहतरीन कबड्डी खिलाड़ी रहे हैं। वायदंडे 26 जून, 1996 को महाराष्ट्र सरकार के अकाउंट्स डिपार्टमेंट में शामिल हुए थे। तब से, उन्होंने कई शहरों में काम किया है। उन्होंने 27 सितंबर, 2023 को उल्हासनगर मनपा में अकाउंट्स ऑफिसर के पद का चार्ज संभाला।

कमिश्नर मनीषा अव्हाले के गाइडेंस में, चीफ अकाउंट्स ऑफिसर किरण भिलारे, उस समय के ऑडिटर जनरल शरद देशमुख, मौजूदा ऑडिटर जनरल सुषमा पाटिल के साथ मिलकर वैदांडे ने रिटायर लोगों के कई पेंशन केस सुलझाए हैं। विदाई सेरेमनी के दौरान वैदांडे की पत्नी, एडिशनल कमिश्नर डॉ. धीरज चव्हाण, चीफ अकाउंट्स ऑफिसर किरण भिलारे और दूसरे खास लोग मौजूद थे।

इमारत की गैलरी का सज्जा गिरा, कोई जनहानि नहीं

ठाणे. ठाणे में एक 40-50 साल पुरानी इमारत के गैलरी का सज्जा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। इस घटना से परिसर में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि इस इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई बताई गई। ठाणे आपत्ति व्यवस्थापन कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना ठाणे पश्चिम के वागले इस्टेट किसन नगर 3, शिव मंदिर गली स्थित सुयोग निवास के ग्राउंड प्लस 2 मंजिली इमारत में घटी। आपत्ति व्यवस्थापन कक्ष के अधिकारी,वागले प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त गणेश चौधरी, फायर ब्रिगेड के उपस्थानक अधिकारी जयदीप कदम व आपत्ति व्यवस्थापन कक्ष के कर्मचारी 1 पिकअप वाहन, फायर ब्रिगेड के जवान, श्रीनगर पुलिस व महावितरण के कर्मचारी मौजूद थे।

वांगनी में 120 घरों पर चला बुलडोजर

■ तहसीलदार के नेतृत्व में बड़ी तोड़क कार्रवाई

■ स्वतंत्रता सेनानियों की ज़मीन पर थे कंस्ट्रक्शन

अंबरनाथ. अंबरनाथ तहसील ऑफिस ने वांगनी ग्राम पंचायत की सीमा में बिना इजाज़त के कंस्ट्रक्शन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस कार्रवाई में, 6 प्लॉट पर बनी चॉल में 120 से ज़्यादा घरों को बुलडोज़र से गिरा दिया गया। इस कार्रवाई से वांगनी और आस-पास के इलाकों में हलचल मच गई है।

पिछले कुछ सालों में, अंबरनाथ तालुका के ग्रामीण इलाकों में बिना इजाज़त के कंस्ट्रक्शन फैल गए हैं। बदलापुर के पास होने की वजह से, वांगनी इलाके में भी बड़े पैमाने पर गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन हो रहा है। जिला प्रशासन ने इन बिना इजाज़त के कंस्ट्रक्शन के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया था। इसी के तहत, आज वांगनी में अंबरनाथ तहसीलदार अमित पुरी के नेतृत्व में बड़ी कार्रवाई की गई।

जिन ज़मीनों पर यह कार्रवाई की गई, वे स्वतंत्रता सेनानियों की थीं। इन ज़मीनों का इस्तेमाल खेती और ऐसे ही दूसरे कामों के लिए होना था। लेकिन, इन जगहों पर बिना किसी इजाज़त के चॉल बना दी गईं। इन बिना इजाज़त के कंस्ट्रक्शन का पता चलते हुए तहसील ऑफिस ने यह कार्रवाई की। इस बारे में फरवरी और मार्च में संबंधित घर के मालिकों को नोटिस जारी किए गए थे। इन नोटिसों में खुद से कंस्ट्रक्शन गिराने के आदेश दिए गए थे। लेकिन, तय समय में कंस्ट्रक्शन नहीं गिराने पर तहसील ऑफिस ने यह कार्रवाई की है।

अंबरनाथ के तहसीलदार अमित पुरी मौजूद थे और उन्होंने यह कार्रवाई की। वांगनी ग्राम पंचायत की सीमा में बिना इजाज़त के कंस्ट्रक्शन के खिलाफ कार्रवाई की गई है। स्वतंत्रता सेनानियों की ज़मीन पर गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन किए गए थे। उन्हें नोटिस दिए गए थे, लेकिन उन्होंने कंस्ट्रक्शन नहीं गिराया। इसलिए यह कार्रवाई करनी पड़ी, पुरी ने इस मौके पर कहा। ऐसे बिना इजाज़त के कंस्ट्रक्शन के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

KDMC की सीमा में 451 खतरनाक बिल्डिंग

■ निवासियों को बिल्डिंग खाली करने का नोटिस

कल्याण. कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका की सीमा में 451 खतरनाक बिल्डिंग हैं. इनमें से 225 बिल्डिंग बहुत ज़्यादा खतरनाक हैं. मॉनसून से पहले इन बिल्डिंग को किसी भी तरह का खतरा हो सकता है और जान का नुकसान हो सकता है. इसलिए, मनपा प्रशासन ने इन खतरनाक बिल्डिंग में रहने वालों और बिल्डिंग मालिकों को बिल्डिंग खाली करने का नोटिस जारी किया है.

कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका की सीमा में हर साल मॉनसून के दौरान एक से दो बिल्डिंग गिर जाती हैं. या कुछ बिल्डिंग का स्ट्रक्चर गिर जाता है. ये खतरनाक बिल्डिंग 35 से 40 साल पुरानी हैं. कई बिल्डिंग में पुराने किराएदार रह रहे हैं. वे अपने घर इसलिए नहीं छोड़ते क्योंकि अगर वे बिल्डिंग से बाहर चले गए, तो वे दोबारा इस बिल्डिंग में रहने का हक नहीं दिखा पाएंगे. कुछ रहने वाले इन बिल्डिंग में 25 रुपये से 100 रुपये किराए के पुराने पगड़ी सिस्टम पर रह रहे हैं.

बिल्डिंग का मालिक किराएदारों से उनके सारे लेन-देन पूरे करने और मार्केट प्राइस पर दिए जा रहे पैसे लेने के बाद बिल्डिंग खाली करने को कहता है. लेकिन मिलने वाली रकम बहुत कम होने की वजह से, कई रहने वाले बिल्डिंग में अपना 40 साल पुराना घर छोड़ने को तैयार नहीं हैं.

इन बिल्डिंगों में करीब 1 लाख 30 हजार लोग रहते हैं. कई लोग अपनी बिल्डिंग का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने और स्ट्रक्चरल इंस्पेक्टर के दिए गए निर्देशों को मानने के बाद बिल्डिंग का मेंटेनेंस और रिपेयर का काम पूरा करते हैं. वे यह पक्का करते हैं कि बिल्डिंग रहने के लिए अच्छी हालत में रहे. पिछले साल, कल्याण डोंबिवली मनपा में 337 खतरनाक बिल्डिंग थीं. 176 बहुत ज़्यादा खतरनाक बिल्डिंग थीं. क्योंकि बहुत ज़्यादा खतरनाक बिल्डिंगें खराब हालत में होती हैं, इसलिए मानसून में उनके गिरने का खतरा ज़्यादा होता है. इसलिए, वार्ड असिस्टेंट कमिश्नर ने ऐसी बिल्डिंगों में रहने वालों को नोटिस भेजने और तुरंत बिल्डिंग खाली करने का अधिकार दिया है.

मालिक-किरायेदार के विवाद में लटके मामले

इन खतरनाक बिल्डिंगों में मालिक-किराएदार के झगड़े के कई मामले पेंडिंग हैं. इसलिए, महानगर पालिका इन बिल्डिंगों को गिराने की कार्रवाई नहीं कर सकती, भले ही ये खतरनाक हों. एक बार बिल्डिंग गिरने के बाद, महानगर पालिका ऐसी बिल्डिंग को खतरनाक घोषित कर देती है और तुरंत उसे गिरा देती है. महानगर पालिका इन बिल्डिंगों में रहने वालों को ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट जारी करने का प्रस्ताव रखती है. जब बिल्डिंग अच्छी हालत में होती है, तो न तो महानगर पालिका और न ही बिल्डिंग का मालिक यह सर्टिफिकेट जारी करने की पहल करता है. इसलिए, रहने वाले इन बिल्डिंगों के कमरों में फंसे हुए हैं, भले ही ये बिल्डिंगें खतरनाक हों.

जोकर टॉकीज इलाके का गैंगस्टर गिरफ्तार

■ बाजारपेठ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कल्याण. बाजारपेठ पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर अभिषेक गंगाधर निंबोलकर उर्फ मैडी को गिरफ्तार किया है, जो कल्याण शहर, खासकर जोकर टॉकीज इलाके में आतंक फैला रहा था। पुलिस इस गैंगस्टर को सीधे घटनास्थल पर ले गई और पूरे घटनाक्रम की जांच की। पुलिस ने आतंक तोड़ने के लिए इस गैंगस्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, अभिषेक निंबोलकर रोहिदास वाडा, जोकर टॉकीज इलाके में आतंक का अड्डा है। उसके खिलाफ बाजारपेठ पुलिस स्टेशन में इंडियन पीनल कोड की धारा 351 (4), 352, 115 (2) के साथ आर्म्स एक्ट की धारा 3, 7, 25 के तहत मामला दर्ज किया गया है और उस पर गैर-कानूनी तरीके से हथियार रखकर आतंक फैलाने का आरोप लगाया गया है।

पुलिस ने मैडी को गिरफ्तार कर घटनास्थल पर पूरी जांच की है। पुलिस ने न सिर्फ़ क्राइम की जगह पर, बल्कि उसके ठिकाने और उन जगहों पर भी रेड मारी, जहाँ वह रेगुलर बैठा करता था। पुलिस ने क्राइम की हर कड़ी को जोड़ने के लिए स्पॉट वेरिफिकेशन किया। मैडी पर आर्म्स एक्ट की धारा 3, 7, 25 के तहत चार्ज लगाए गए हैं।

इसका मतलब है कि इस गुंडे पर बिना लाइसेंस के हथियार रखने, उसे खरीदने-बेचने और पब्लिक जगह पर उसका इस्तेमाल करके दहशत फैलाने के गंभीर आरोप हैं। मैडी के गैंग के साथियों की तलाश की जा रही है। फिलहाल, बाज़ारपेट पुलिस यह जांच कर रही है कि गैंग में अभिषेक जनिम्बोलकर उर्फ मैडी के और कौन-कौन साथी हैं। उसे ये हथियार कहाँ से मिले? क्या इनका इस्तेमाल क्राइम करने के लिए किया गया है? इसकी पूरी जांच की जा रही है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

एक एसी, एक हादसा और कई अनुत्तरित सवाल

इसमें दोराय नहीं कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास ने मानव जीवन की राह को आसान बना दिया है। मगर तकनीक तभी सुविधाजनक होती है, जब उसे कौशल, संवेदनशीलता और सतर्कता के दायरे में रखा जाए। जरा-सी लापरवाही पर यह सुविधा कब जोखिम में बदल जाए, इसका आभास भी नहीं हो पाता है। बीते बुधवार की रात को दिल्ली के हौजखास इलाके में ऐसी ही एक घटना सामने आई, जिसमें एयर कंडीशनर यानी एसी में विस्फोट से लगी आग की वजह से सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी धनेंद्र कुमार की जान चली गई।

वह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के प्रथम अध्यक्ष थे। एसी में विस्फोट किन कारणों से हुआ, यह तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा, लेकिन सवाल है कि जिन उपकरणों को घरों में सुविधा के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, उनमें तकनीकी खराबी से पैदा होने वाले खतरे से सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? क्या ऐसी घटनाओं में जवाबदेही तय किए जाने की जरूरत नहीं है?

गौरतलब है कि हर साल गर्मी में एयर कंडीशनर की वजह से हादसों का सिलसिला शुरू हो जाता है। पिछले एक माह में देश भर में एसी में विस्फोट या आग लगने से मौत की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। निस्संदेह इस तरह के उपकरणों का इस्तेमाल करते समय लोगों को भी सावधानी बरतनी चाहिए। खासकर एसी के मामले में ज्यादा सतर्कता की जरूरत होती है, क्योंकि इससे और भी कई तरह के जोखिम होते हैं।

मसलन, बहुत ठंडे कमरे से अचानक तेज गर्मी में जाने से शरीर का तापमान बदल जाता है, जिससे मस्तिष्काघात का खतरा बढ़ जाता है। एयर कंडीशनर कमरे की नमी को सोख लेता है, जिससे सांस और त्वचा संबंधी विकार पैदा हो सकते हैं। यही नहीं, इस उपकरण से गैस का रिसाव होने पर बंद कमरे में दम घुटने जैसी जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है। यानी किसी भी तकनीकी संसाधन के उपयोग के साथ ही उनके संचालन के लिए एक मुकम्मल प्रशिक्षण भी बेहद जरूरी है। जरूरत इस बात की भी है कि ऐसे उपकरणों में तकनीकी खराबी की वजह से कोई हादसा न हो, इसके लिए सरकार की ओर से स्पष्ट नीति एवं नियम बनाए जाएं, ताकि इनके निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों से समझौता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

विमर्श

कर्नाटक में बदलाव के बाद की चुनौतियां

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के त्यागपत्र देने के साथ ही उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के राज्य की कमान संभालने का रास्ता साफ हो गया। इससे शिवकुमार की तो चाहत पूरी हो गई, लेकिन यह कहना कठिन है कि कर्नाटक कांग्रेस में सब कुछ सामान्य होने जा रहा है या फिर राज्य की विभिन्न समस्याओं के समाधान की राह आसान हो गई है। सिद्दरमैया ने त्यागपत्र देने की घोषणा करते हुए यह कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने जैसा कहा, मैंने वैसा किया, लेकिन उन्होंने राज्यसभा आकर कांग्रेस की केंद्रीय स्तर की राजनीति में सक्रिय होने का आग्रह ठुकराते हुए कहा कि वे राज्य की राजनीति में ही सक्रिय रहेंगे।

चूंकि सिद्दरमैया जमीनी स्तर की राजनीति करने वाले नेता हैं और उनका अपना जनाधार है, इसलिए वे मुख्यमंत्री बनने जा रहे शिवकुमार के लिए चुनौती खड़ी कर सकते हैं। इसके नतीजे में वहां नए सिरे से गुटबाजी भी पनप सकती है, क्योंकि शिवकुमार के नेतृत्व वाली सरकार के मंत्रिमंडल से सिद्दरमैया के कुछ समर्थक बाहर हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह स्वाभाविक ही है कि शिवकुमार अपने हिसाब से शासन से चलाएंगे और इसके लिए वे प्रशासन में भी पूर्व मुख्यमंत्री के समर्थकों को किनारे कर सकते हैं। इसके आसार कम ही हैं कि सिद्दरमैया अपने उत्तराधिकारी शिवकुमार के लिए खुला मैदान छोड़ेंगे, क्योंकि जमीनी राजनीति करने वाला कोई नेता अपना राजनीतिक वर्चस्व इतनी आसानी से नहीं छोड़ता। अपने देश में तो ऐसा और भी कम होता है। अपने

यहां उम्रदराज नेता तब तक राजनीति से रिटायर ही नहीं होते, जब तक उन्हें बिल्कुल किनारे न कर दिया जाए। कांग्रेस सिद्दरमैया की उपेक्षा करने का जोखिम नहीं उठा सकती।

शिवकुमार 2023 में तभी से मुख्यमंत्री पद के आकांक्षी थे, जब कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव जीता था, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने वरिष्ठता के आधार पर सिद्दरमैया का चयन किया। शिवकुमार का दावा था कि उनके और सिद्दरमैया के बीच इसे लेकर सहमति कायम हुई थी कि दोनों ढाई-ढाई वर्ष तक सत्ता संभालेंगे। अपने इस दावे के अनुरूप वे पिछले काफी समय से मुख्यमंत्री पद हासिल करने का प्रयत्न कर रहे थे, लेकिन सिद्दरमैया पद छोड़ने को तैयार नहीं थे। आखिरकार कांग्रेस आलाकमान के दबाव में वे तीन वर्ष बाद मुख्यमंत्री पद छोड़ने को तैयार हुए। स्पष्ट है कि उन्होंने मजबूरी में पद छोड़ा।

कर्नाटक की तरह एक समय राजस्थान में भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच भी इसे लेकर खींचतान हुई थी कि दोनों के बाच ढाई-ढाई साल तक मुख्यमंत्री बनने की सहमति बनी थी। सचिन पायलट ने बहुत कोशिश की कि इस कथित सहमति के आधार पर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी मिले, लेकिन अशोक गहलोत टस से मस नहीं हुए। उन्होंने कांग्रेस आलाकमान के निर्देशों को भी ठुकरा दिया। इस कारण सचिन पायलट एवं उनके बीच खींचतान जारी रही और कांग्रेस आलाकमान अंत समय तक कोई फैसला नहीं कर सका। ऐसा ही छत्तीसगढ़ में हुआ। वहां मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता टीएस सिंह देव के बीच इसे लेकर झगड़ा होता रहा कि ढाई-ढाई साल तक सत्ता संभालने की बात हुई थी। वहां भी कांग्रेस नेतृत्व कोई फैसला नहीं कर सका। नतीजा यह हुआ कि इन दोनों राज्यों में कांग्रेस की पराजय का एक कारण मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए खींचतान भी बनी।

कांग्रेस नेतृत्व ने पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह को विधानसभा चुनाव के करीब एक वर्ष पहले मुख्यमंत्री पद से हटने के लिए बाध्य किया, क्योंकि नवजोत सिंह सिद्धू उनके खिलाफ खड़े हो गए थे। हालांकि मुख्यमंत्री की कुर्सी उनके बजाय चरणजीत सिंह चन्नी को मिली। इसके चलते गुटबाजी को बढ़ावा मिला और विधानसभा चुनावों में इसका लाभ आम आदमी पार्टी ने उठाया।

कर्नाटक में दो वर्ष बाद चुनाव होने हैं। कहना कठिन है कि तब क्या होगा, लेकिन यह ध्यान रहे कि कर्नाटक में 1980 के बाद कोई भी सरकार सत्ता में नहीं लौटी है। शिवकुमार इस सिलसिले को तोड़ सकेंगे, यह कहना इसलिए कठिन है, क्योंकि कर्नाटक कई समस्याओं से घिरा है।

जब हम ध्यानाभ्यास के द्वारा अपनी आत्मा का अनुभव करते हैं, तो हम प्रभु के साथ अपनी एकता को अनुभव कर लेते हैं।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

विश्वसनीयता पर सवाल : सेना के सहारे परीक्षा

किसी भी परीक्षा के दौरान अगर प्रश्नपत्र लीक होता है या अन्य कोई गड़बड़ी होती है, तो इसका मतलब यही है कि उसके संचालन से जुड़ा तंत्र परीक्षा की शुचिता को सुनिश्चित कराने में नाकाम रहा। हाल ही में प्रश्नपत्र लीक होने के बाद नीट-यूजी परीक्षा को जिस तरह रद्द किया गया, उससे साफ है कि पहले हुई ऐसी कई घटनाओं के बावजूद आयोजन में हर हाल में शुचिता तय करने को लेकर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए ने जरूरी सबक नहीं सीखा। नतीजतन, नीट की परीक्षा के प्रश्नपत्र फिर अवैध रूप से बाहर हुए और ऊंची कीमतों पर बेचे गए।

विडंबना यह है कि इस भ्रष्ट लेन-देन और इसके जरिए परीक्षा में कामयाब होने की कोशिश करने वाले कुछ लोगों की करतूतों का खमियाजा करीब बाईस लाख उन विद्यार्थियों को उठाना पड़ा, जिन्होंने ईमानदारी से अपनी मेहनत के बूते परीक्षा दी थी। ऐसे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की पीड़ा प्रश्नपत्र लीक करने और उसका फायदा उठाने वाले गिरोहों की हरकत के खुलासे से उपजे शोर में दब कर रह गई।

विचित्र है कि इस घटना की परतें खुलने के बाद शीर्ष स्तर पर इसकी जिम्मेदारी तय करने तथा संचालन के तंत्र में पाई गई खामी को पूरी तरह दुरुस्त करने या इस मसले पर अधिकतम सख्ती

बरतने के बजाय सुरक्षित तरीके से परीक्षा कराने के लिए अब सेना का सहारा लेने की खबर आई है। यानी एक तरह से यह स्वीकार कर लिया गया है कि सरकार का मौजूदा तंत्र इस परीक्षा का स्वच्छ तरीके से संचालन कर पाने में सक्षम नहीं है और इसीलिए सेना के सहारे नीट-यूजी परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने की कोशिश की जाएगी।

गौरतलब है कि नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने से जुड़े मामले में पूरी प्रक्रिया की समीक्षा के लिए हुई बैठक में प्रश्नपत्र तैयार करने और उनकी छपाई से लेकर परिवहन, सुरक्षा और परीक्षा केंद्र तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के सभी पहलुओं पर विचार किया गया। इसके बाद अब 21 जून को दोबारा होने वाली नीट परीक्षा में प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए वायुसेना की मदद लेने पर सहमति बनी। अगर यह प्रस्ताव अमल में आता है, तो किसी राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा के आयोजन और संचालन में सेना के औपचारिक रूप से शामिल होने का यह पहला मौका होगा।

सवाल है कि इससे पहले नीट या अन्य परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों का उदाहरण सामने होने के बावजूद यह स्थिति आखिर क्यों पैदा हुई कि सरकार को परीक्षा के स्वच्छ संचालन के लिए अपने तंत्र और पुलिस पर भरोसा नहीं रहा। हालांकि खबरों के मुताबिक सेना की भूमिका केवल लॉजिस्टिक समन्वय, आपातकालीन स्थितियां पैदा होने या मौसम में तेज उतार-चढ़ाव के बीच सुरक्षित परिवहन तक सीमित रहने की बात कही गई है और परीक्षा की निगरानी सेना से नहीं कराई जाएगी। मगर यह देखने की बात होगी कि सेना की मदद का दायरा क्या होता है।

आमतौर पर किसी प्राकृतिक आपदा से हुई तबाही और अन्य आपात स्थितियों में युद्ध स्तर पर बचाव कार्य आदि के लिए जरूरत पड़ने पर सरकार सेना या सशस्त्र बलों को तैनात करती रही है। यह एक अफसोसनाक स्थिति है कि आज के दौर में परीक्षाओं के संचालन के मामले में पहले के मुकाबले बेहतर संसाधनों, हर स्तर पर निगरानी की तकनीकी सुविधा और व्यापक डिजिटल तंत्र के बावजूद प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं हो रही हैं और इसे रोकने के लिए सरकार के सामने सेना की मदद लेने की नौबत है।

IT का जॉब छोड़कर महिला चला रही ऑटो रिक्शा

जरा हट के

आज के समय में ज्यादातर लोग यही मानते हैं कि अच्छी नौकरी, बड़ा ऑफिस और मोटी सैलरी ही सफलता की पहचान है. लेकिन कई बार जिंदगी हमें यह एहसास कराती है कि पैसे से ज्यादा जरूरी मानसिक शांति और खुशी होती है. सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसी ही महिला की कहानी चर्चा में है, जिसने आईटी सेक्टर की नौकरी छोड़कर ऑटो चलाने का फैसला किया. हैरानी की बात यह है कि आज वह अपने इस फैसले से बेहद खुश हैं.

दरअसल इस बेहद ही प्रेरणादायक कहानी को सीईओ नेजरीन मिधलाज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट @dr.nezrin_midhlaj पर शेयर किया है. उन्होंने बताया कि उनकी मुलाकात एक महिला ऑटो ड्राइवर से हुई, जिसकी कहानी सुनकर वह खुद भी प्रभावित हो गईं. नेजरीन के मुताबिक, महिला बेहद आत्मविश्वासी थीं. उनका

पहनावा सलीकेदार था और उनके चेहरे पर सुकून साफ दिखाई दे रहा था. बातचीत के दौरान नेजरीन ने उनसे पूछा कि आमतौर पर पुरुषों के वर्चस्व वाले इस काम में आने का अनुभव कैसा रहा.

महिला ने जवाब देते हुए बताया कि उन्होंने करीब 9 साल तक आईटी सेक्टर में नौकरी की. शुरुआत में सब कुछ ठीक था, लेकिन समय के साथ काम का दबाव और तनाव लगातार बढ़ता गया. लंबे समय तक तनाव में काम करने के कारण उनकी प्राइवेट जिंदगी भी प्रभावित होने लगी. उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा आया जब उन्हें महसूस हुआ कि नौकरी से मिलने वाली सैलरी से ज्यादा जरूरी उनकी मानसिक शांति है।. इसके बाद उन्होंने बड़ा फैसला लेते हुए आईटी की नौकरी छोड़ दी.

नौकरी छोड़ने के बाद महिला ने ऑटो चलाना शुरू किया. यह फैसला आसान नहीं था, क्योंकि समाज में आज भी महिला ऑटो ड्राइवर बहुत कम देखने को मिलती हैं. लेकिन उन्होंने लोगों की सोच की परवाह किए बिना अपने मन की सुनी. महिला ने बताया कि वह इस काम से हर महीने करीब 60 हजार रुपये तक कमा लेती हैं. हालांकि उनके लिए सबसे बड़ी बात कमाई नहीं, बल्कि मन की शांति है.

खाना-खजाना

चॉकोबार आइसक्रीम

सामग्री

- फुल क्रीम दूध: 2 कप
- चीनी: 4 से 5 बड़े चम्मच
- कॉर्नफ्लोर: 1.5 से 2 बड़े चम्मच
- वैनिला एसेंस: 1 छोटी चम्मच
- डार्क या मिल्क चॉकलेट कंपाउंड: 150 - 200 ग्राम
- नारियल तेल या पिघला हुआ मक्खन: 1 से 2 बड़े चम्मच

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में दूध निकाल लें, लेकिन उसमें से 3-4 चम्मच ठंडा दूध एक कटोरी में अलग बचा लें। अब बर्तन वाले दूध को गैस पर उबलने के लिए रख दें। जब दूध में उबाल आ जाए, तो उसमें चीनी डाल दें और 2-3 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें। अब जो ठंडा दूध आपने कटोरी में बचाया था, उसमें कॉर्नफ्लोर डालकर अच्छी तरह मिला लें ताकि कोई गांठ न रहे। इस कॉर्नफ्लोर वाले घोल को उबलते हुए दूध में धीरे-धीरे डालें और लगातार चम्मच से चलाते रहें। आप देखेंगे कि दूध तुरंत गाढ़ा और

एकदम क्रीमी होने लगेगा। इसे 2 मिनट और पकाएं और फिर गैस बंद कर दें। खुशबू के लिए इसमें वैनिला एसेंस मिला दें। इस क्रीमी मिश्रण को पूरी तरह से ठंडा होने दें। जब यह सामान्य तापमान पर आ जाए, तो इसे आइसक्रीम मोल्ड्स में भर दें। ऊपर से फॉयल पेपर या ढक्कन लगाएं और बीच में आइसक्रीम स्टिक लगा दें। अब इसे 7 से 8 घंटे के लिए या रात भर के लिए फ्रीजर में जमने के लिए रख दें।

जब आपकी आइसक्रीम जम कर तैयार हो जाए, तब चॉकलेट को एक बर्तन में निकालें और 'डबल बॉयलर' की मदद से (गर्म पानी के बर्तन के ऊपर रखकर) या माइक्रोवेव में पिघला लें। इसमें थोड़ा सा नारियल का तेल या मक्खन मिला लें, जिससे कोटिंग एकदम स्मूथ बनेगी। इस पिघली हुई चॉकलेट को एक लंबे और पतले गिलास में निकाल लें। ध्यान रहे कि चॉकलेट बहुत ज्यादा गर्म न हो। अब फ्रीजर से जमी हुई आइसक्रीम निकालें। एक-एक करके आइसक्रीम स्टिक को पकड़ें और चॉकलेट से भरे गिलास में डुबोकर तुरंत बाहर निकाल लें।

मोटापे के मामले में पुरुषों से आगे निकलीं महिलाएं

क्या आपने कभी सोचा है कि बदलती लाइफस्टाइल हमारी सेहत पर कितना गहरा असर डाल रही है? हाल ही में जारी हुई 'राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (NFHS-6)' की ताजा रिपोर्ट ने देश के स्वास्थ्य से जुड़ी एक बेहद चिंताजनक तस्वीर पेश की है। देश के वयस्कों में मोटापा और हाई ब्लड शुगर की बीमारी बहुत तेजी से फैल रही है, लेकिन सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि इस मोटापे की मार पुरुषों की तुलना में महिलाओं पर कहीं अधिक पड़ रही है, जिससे जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित

रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि देश में मोटापा किस कदर तेजी से बढ़ रहा है। साल 2019-21 के दौरान 15 से 49 वर्ष की आयु वर्ग में 24 प्रतिशत महिलाएं मोटापे से जूझ रही थीं, लेकिन 2023-24 आते-आते यह आंकड़ा छलांग लगाकर 30.7 प्रतिशत तक पहुंच गया। वहीं, इसी आयु वर्ग के पुरुषों की बात करें तो उनमें भी मोटापे का ग्राफ 22.9 प्रतिशत से बढ़कर 27.3 प्रतिशत हो गया है। यानी मोटापा हर किसी को घेर रहा है, लेकिन महिलाओं में इसकी रफ्तार कहीं ज्यादा है।

मोटापे के मामले में कौन-सा राज्य कहां खड़ा है?

अगर हम राज्यों के हिसाब से देखें, तो महिलाओं में मोटापे की सबसे डराने वाली स्थिति पुडुचेरी में है।

पुडुचेरी में 46.3% महिलाएं मोटापे का शिकार हैं।

इसके बाद चंडीगढ़ (44%), दिल्ली (41.4%) और पंजाब (40.8%) का नंबर आता है।

हालांकि, राहत की बात यह है कि बिहार, छत्तीसगढ़ और असम जैसे राज्यों में महिलाओं में मोटापे की दर काफी कम देखी गई है। दूसरी ओर, पुरुषों में मोटापे के मामले में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह सबसे आगे है, जहां लगभग 38% पुरुष मोटापे के शिकार हैं। इसके बाद पंजाब, केरल, तमिलनाडु, दिल्ली और गोवा का स्थान आता है।

हाई ब्लड शुगर ने भी बढ़ाई टेंशन

- मोटापे के साथ-साथ हाई ब्लड शुगर भी देश के वयस्कों के लिए एक बड़ी मुसीबत बन रहा है। 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में हाई ब्लड शुगर होने या उसे कंट्रोल करने के लिए दवा खाने वालों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है :
- महिलाओं में यह आंकड़ा 13 .5 प्रतिशत से बढ़कर 17 .8 प्रतिशत हो गया है।
- पुरुषों में यह आंकड़ा 15 .6 प्रतिशत से उछलकर 20 .9 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

सस्ते और सुरक्षित सैनिटरी प्रोडक्ट्स का दिखा असर

- सेहत से जुड़ी इन चिंताओं के बीच कुछ अच्छी खबरें भी हैं। 15 से 24 साल की युवतियों में पीरियड्स के दौरान स्वच्छता के सुरक्षित तरीकों का इस्तेमाल बढ़ा है। यह आंकड़ा 2019-21 के 77 .6% से बढ़कर अब 79 .2% हो गया है। यह सुधार 'राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम' की मासिक धर्म स्वच्छता योजना और 'प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना' के तहत मिलने वाले सस्ते और सुरक्षित उत्पादों का ही नतीजा है।

आज का राशिफल

मेष : दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। धनार्जन सुगम होगा।

वृषभ : प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन : प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें।

कर्क : शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है।

सिंह : आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

कन्या : घर-बाहर सहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों समय पर संपन्न होंगे। आय में वृद्धि हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं।

तुला : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृश्चिक : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

धनु : कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा।

मकर : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है।

कुंभ : व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे।

मीन : भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

गैस पर दूध रखकर भूल जाते हैं आप?

इन 5 आसान तरीकों से बिना जले और बिना छलके उबलेगा दूध

क्या आपके साथ भी अक्सर ऐसा होता है कि आप गैस पर दूध उबलने के लिए रखते हैं, और जैसे ही एक पल के लिए फोन देखते हैं या दूसरा काम करने लगते हैं, दूध उफन कर पूरे स्टोव पर फैल जाता है? हालांकि, अब आपको परेशान होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। आज हम आपको ऐसे 5 बहुत ही आसान घरेलू हैक्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाने के बाद आपका दूध न तो कभी जलेगा और न ही उफन कर बाहर गिरेगा।

बर्तन में पहले डालें थोड़ा-सा पानी

दूध को बर्तन की तली में चिपकने और जलने से बचाने का यह सबसे पुराना और कारगर तरीका है। बर्तन में दूध डालने से पहले उसमें बस दो-तीन चम्मच पानी डालकर उसे चारों तरफ घुमा लें। पानी की यह हल्की सी परत दूध को बर्तन से सीधे चिपकने नहीं देती, जिससे दूध में कभी जलने की बदबू नहीं आती।

किनारों पर लगाएं थोड़ा-सा घी या तेल

दूध को बर्तन से बाहर गिरने से रोकने के लिए यह एक बहुत ही शानदार ट्रिक है। आपको बस बर्तन के ऊपरी किनारों पर उंगली की मदद से थोड़ा सा घी, मक्खन या कुकिंग ऑयल लगाना है। चिकनाई की वजह से दूध का झाग जब उबलकर ऊपर आता है, तो वह किनारों से टकराकर वापस नीचे बैठ जाता है और बाहर नहीं गिरता।

लकड़ी के चम्मच का जादुई हैक

यह हैक आजकल बहुत मशहूर है और सच में काम करता है। दूध उबलने के लिए गैस पर रखें और बर्तन के ऊपर बीचों-बीच एक लकड़ी का चम्मच टिका कर रख दें। लकड़ी का चम्मच दूध के उबलते हुए झाग को तोड़ देता है, जिससे दूध बर्तन की सीमा पार करके बाहर नहीं आ पाता।

बर्तन के अंदर रखें एक छोटी कटोरी या चम्मच

यह हमारी दादी-नानी के जमाने का अचूक नुस्खा है। दूध उबालते समय बर्तन के बिल्कुल नीचे एक छोटी स्टील की कटोरी या भारी चम्मच डाल दें। यह दूध के अंदर बनने वाली भाप और बुलबुले के दबाव को कंट्रोल करता है। इस तरीके से दूध आराम से उबलता रहेगा, लेकिन कभी उफन कर बाहर नहीं गिरेगा।

स्मार्टफोन के टाइमर का करें इस्तेमाल

हम अक्सर गैस पर दूध रखकर किसी और काम में या टीवी देखने में खो जाते हैं। इसलिए, अपनी स्मार्टनेस दिखाएं और तकनीक का फायदा उठाएं। जब भी गैस पर दूध रखें, अपने मोबाइल फोन में 5 से 10 मिनट का टाइमर या अलार्म सेट कर लें। जैसे ही अलार्म बजेगा, आपको तुरंत याद आ जाएगा और आप सही समय पर गैस बंद कर पाएंगे।

औषधीय खजाना है बेहया...

वैद्य जमुना प्रसाद यादव के अनुसार प्राकृतिक पौधों में कई लाभकारी गुण पाए जाते हैं, लेकिन उनका सही तरीके से और उचित मात्रा में उपयोग करना बेहद आवश्यक है. किसी भी औषधीय पौधे का गलत या अधिक मात्रा में इस्तेमाल स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल

सकता है. इसलिए बेहया सहित किसी भी औषधीय पौधे का उपयोग करने से पहले आयुर्वेदाचार्य, डॉक्टर या संबंधित विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लेनी चाहिए. सही जानकारी और मार्गदर्शन के साथ ही इन पौधों के संभावित लाभों का सुरक्षित रूप से फायदा उठाया जा सकता है.

त्वचा के लिए फायदेमंद: बेहया के पत्तों का उपयोग लंबे समय से पारंपरिक उपचारों में किया जाता रहा है. ग्रामीण क्षेत्रों में लोग त्वचा से जुड़ी विभिन्न समस्याओं में इसके पत्तों का इस्तेमाल करते हैं. इसके पत्तों का लेप लगाने से छोटे-मोटे घावों को भरने में मदद मिल सकती है और त्वचा को आराम मिलता है. कुछ लोग खुजली, जलन जैसी समस्याओं में भी इसका प्रयोग करते हैं. इसके पत्तों में मौजूद कुछ प्राकृतिक तत्व त्वचा को ठंडक पहुंचाने में सहायक माने जाते हैं.

सूजन कम करने में सहायक: बेहया के पौधे का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक घरेलू उपचार के रूप में किया जाता रहा है. मान्यता है कि शरीर के किसी हिस्से में हल्की सूजन होने पर इसके पत्तों को गर्म करके प्रभावित स्थान पर लगाया जाता है. इससे दर्द और सूजन में कुछ राहत मिल सकती है. इसके पत्तों में मौजूद प्राकृतिक गुण शरीर को आराम पहुंचाने में सहायक माने जाते हैं. हालांकि, यदि सूजन लंबे समय तक बनी रहे या अधिक गंभीर हो, तो चिकित्सक की सलाह लेना जरूरी है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

यह मेरी गलती है...लाइव वीडियो पर युवक ने खुद को गोली मारी

मुरादाबाद. यूपी के मुरादाबाद में कुंदरकी थाना क्षेत्र के गांव चकफाजपुर में शनिवार रात एक युवक ने पिता की लाइसेंसी बंदूक से सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। आत्मघाती कदम उठाने से पहले युवक ने सोशल मीडिया पर कथित रूप से एक लाइव वीडियो भी बनाया, जो अब चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले में मिली जानकारी के अनुसार चकफाजपुर निवासी 20 वर्षीय फरअत अली पुत्र सरताज पंजाब में लिफ्टिंग बैरियर गेट लगाने का काम करता था। वह ईद मनाने के लिए चार दिन पहले ही घर लौटा था। बताया जा रहा है कि शनिवार रात करीब 9:30 बजे उसने घर में रखी पिता की लाइसेंसी बंदूक निकाली और खुद के सिर से सटाकर ट्रिगर दबा दिया। गोली की आवाज सुनकर जब परिजन कमरे की ओर दौड़े, तो वहां का मंजर देखकर उनकी चीख निकल गई। फरअत लहूलुहान हालत में मृत पड़ा था।

लखनऊ में देर रात एनकाउंटर, दो लुटेरों समेत दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के कृष्णानगर पुलिस की मानसनगर में आशा राम बाबू रोड पर लुटेरों और विकासनगर पुलिस टीम की टेढ़ीपुलिया के पास दुष्कर्म के आरोपी से शनिवार देर रात मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान बदमाशों और पुलिस के बीच गोलियां चली। मुठभेड़ के दौरान दो लुटेरे रोहन उर्फ गुड्डू और साहिल के पैर में गोली लगी। वहीं, टेढ़ीपुलिया पर छेड़छाड़ के आरोपी सनी के पैर मे भी गोली लगी। तीनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी अमित कुमार आनंद के मुताबिक मुठभेड़ में गिरफ्तार लुटेरों में दक्षिण पूर्वी दिल्ली के आंबेडकर नगर मदरासी मंदिर के पास रहने वाला रोहन उर्फ गुड्डू और मदनगिरी का साहिल है। दोनों अंतरराज्यीय लुटेरे हैं। कुछ दिन पहले ही दोनों ने पारा इलाके में रहने वाले व्यवसायी रामबाबू से सिगरेट से भरे थैले और कृष्णानगर निवासी रानी से सोने की चेन लूटी थी दोनों बदमाशों की तलाश में पुलिस सीसी फुटेज के आधार पर दबिश दे रही थी।

NIA के डिप्टी एसपी की सड़क हादसे में मौत

मुरादाबाद. यूपी के मुरादाबाद से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां कटघर थाना क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एनआईए के डिप्टी एसपी की मौत हो गई। जबकि उसके साथ मौजूद महिला घायल हो गई। दुर्घटना उस समय हुई जब तेज रफ्तार बाइक आगे चल रहे कंटेनर से टकरा गई।

पुलिस के अनुसार पंजाब के मोहाली के रहने वाले NIA के डिप्टी एसपी 32 साल के ईशान मेहरा अपनी महिला मित्र पूनम के साथ बाइक से दिल्ली से बाजपुर की ओर जा रहे थे। रात करीब साढ़े 11 बजे उनकी बाइक कटघर थाना क्षेत्र के देवापुर गांव के सामने हाईवे से गुजर रही थी। इसी दौरान आगे चल रहे कंटेनर में बाइक पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने ईशान मेहरा को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल पूनम का उपचार जारी है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मृतक ईशान मेहरा दिल्ली एनआईए ऑफिस में डिप्टी एसपी पद पर कार्यरत थे। पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद परिजन शव अपने साथ ले गए।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर सुरक्षित रास्ता तलाश रही सरकार

- दो चरणों में लागू करने का प्रस्ताव
- पहले 20 राज्यों के चुनाव एक साथ करने पर विचार

नई दिल्ली. केंद्र सरकार वन नेशन वन इलेक्शन के लिए सुरक्षित रास्ता तलाश रही है। इसके लिए बनी जेपीसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक समिति 'टू-फेज ट्रांजिशन मॉडल' पर विचार कर रही है, जिससे राज्यों में बार-बार चुनाव कराने या विधानसभाओं के कार्यकाल में बहुत बड़ी कटौती करने की जरूरत न पड़े।

पूरे देश को एक साथ चुनावी चक्र में लाने के बजाय दो चरणों- 2029 और 2034 में बढ़ने का विकल्प सबसे व्यावहारिक माना जा रहा है। पहले चरण में 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ करीब 20 राज्यों के विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं।

संयुक्त संसदीय समिति (JPC) की अवधि 2026 के मानसून सत्र तक बढ़ाई जा चुकी है। ऐसे में 2029 से चुनावी चक्र एक करने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। वहीं, 2034 तक पूरे देश को साझा चुनावी चक्र में लाने का लक्ष्य है।

संविधान में गुंजाइश है, लेकिन सहमति पर जोर

लॉ कमीशन के पूर्व सदस्य और मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के लॉ कॉलेज के डीन आनंद पालीवाल ने कहा कि एक देश-एक चुनाव' को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के लिए संवैधानिक विकल्प मौजूद हैं। कुछ राज्यों में विधानसभा का कार्यकाल पूरा होने से पहले चुनाव कराए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में कार्यकाल बढ़ाने के विकल्प भी हैं। भारत में पहले भी विशेष परिस्थितियों में लोकसभा और विधानसभाओं के कार्यकाल में बदलाव किए गए हैं। हालांकि किसी भी व्यापक बदलाव के लिए संसद द्वारा आवश्यक कानूनी प्रावधान और राजनीतिक सहमति जरूरी होगी।

1967 तक साथ हुए चुनाव

1952 से 1967 तक यानी चार बार लोकसभा व अधिकांश विधानसभा चुनाव साथ हुए। 1967 के बाद कई राज्यों में सरकारें गिरने लगीं। 1968-69 में कई विधानसभाएं भंग हुईं और 1970 में लोकसभा भी कार्यकाल पूरा होने से पहले भंग हो गई। इससे देश का साझा चुनावी चक्र बिखर गया। 1971 में लोकसभा के मध्यावधि चुनाव हुए और राज्यों में चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे। बाद में गठबंधन सरकारों, राष्ट्रपति शासन और समय से पहले चुनाव ने अंतर और बढ़ा दिया। विधि आयोग और नीति आयोग समय-समय पर चुनावी चक्र एक करने की सिफारिश करते रहे हैं।

कर्नाटक के राज्यपाल से मिले डीके शिवकुमार

- सरकार बनाने का पेश किया दावा

बेंगलूरु. डीके शिवकुमार ने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को पत्र सौंपकर सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। यह कदम शनिवार को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उठाया गया है। यह घटनाक्रम सिद्धारमैया के 28 मई को इस्तीफा देने के बाद आया है। सिद्धारमैया ने कहा था कि उनका इस्तीफा स्वैच्छिक है और यह पार्टी हाई कमांड के सुझाव पर दिया गया है। सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद राज्यपाल गहलोत ने तत्काल प्रभाव से मंत्रिपरिषद को भंग कर दिया। हालांकि, वैकल्पिक व्यवस्था होने तक सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री के रूप में जारी रखने को कहा गया है।

राज्यपाल गहलोत ने पूर्व उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को सरकार बनाने का निमंत्रण दिया। शपथ ग्रहण समारोह 3 जून को दोपहर 4:05 बजे बेंगलुरु के लोक भवन में आयोजित होगा। गवर्नर को पत्र सौंपने के बाद डीके शिवकुमार ने एक्स पर लिखा, 'विधानसौधा में आज हुई सीएलपी बैठक में कांग्रेस विधायक दल का नेता सर्वसम्मति से चुने जाने पर मुझे गर्व है। मैंने माननीय राज्यपाल से मुलाकात की और कर्नाटक में सरकार बनाने का औपचारिक दावा पेश किया। हम राज्य के लोगों की सेवा समर्पण, निष्ठा और उद्देश्यपूर्ण भावना से करते रहेंगे।'

दिल्ली में 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी, 4 की मौत

- 10 घायल AIIMS ट्रॉमा सेंटर में भर्ती, 3 की हालत गंभीर;

नई दिल्ली. दिल्ली के साकेत इलाके में शनिवार शाम पांच मंजिला बिल्डिंग गिर गई। जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 10 घायलों को AIIMS के ट्रॉमा सेंटर में एडमिट करवाया गया है, जिनमें से 3 की हालत गंभीर है।

दक्षिणी दिल्ली जिले के DCP अनंत मित्तल ने बताया कि जिस जगह मलबा गिरा, वहां मेडिकल स्टूडेंट्स की एक कैंटीन थी। आशंका है कि कुछ लोग अभी भी मलबे में फंसे हो सकते हैं। पुलिस और बचाव दलों ने अब तक करीब 12 लोगों को बाहर निकाला है।

घायलों को जल्द अस्पताल पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। NDRF, DDMA, फायर सर्विस और दिल्ली पुलिस संयुक्त रूप से राहत और बचाव अभियान चला रहे हैं।

TMC सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमले में 5 गिरफ्तार

- ममता बोलीं- हेलमेट नहीं होता तो जान चली जाती
- भाजपा नेताओं-अफसरों ने डिस्चार्ज का दबाव बनाया

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी वीडियो फुटेज के आधार पर रातभर चली छापेमारी के बाद हुई।

ममता बनर्जी ने हमले को साजिश बताते हुए कहा कि अगर अभिषेक ने हेलमेट नहीं पहना होता तो उनकी जान जा सकती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल में भर्ती अभिषेक को जल्द डिस्चार्ज कराने के लिए भाजपा नेताओं और पुलिस ने दबाव बनाया।

अभिषेक पर शनिवार को दक्षिण सोनारपुर में हमला हुआ था, जहां वे चुनाव बाद हिंसा के पीड़ित कार्यकर्ताओं से मिलने गए थे।

- ममता ने कहा- साउथ कोलकाता के DCP ने अस्पताल पर दबाव डाला

हमले के बाद अभिषेक को पहले अपोलो अस्पताल ले जाया गया। ममता भी उनसे मिलने पहुंचीं थी। अपोलो में डॉक्टरों ने अभिषेक को घर पर आराम की सलाह दी। बाद में उन्हें बेले व्यू अस्पताल ले जाया गया। अभिषेक से मिलने के बाद ममता बनर्जी ने शनिवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

अब अभिषेक का इलाज घर पर ही होगा। उनके घर पर ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य मेडिकल उपकरण लगाए गए हैं।

ममता बोलीं- अब घर पर इलाज

भाजपा नेताओं और दक्षिण कोलकाता के डीसीपी की ओर से डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन को धमकी भरे फोन आ रहे थे। अगर अभिषेक की हालत गंभीर नहीं थी तो उन्हें इंटेसिव थैरेपी यूनिट (आईटीयू) में क्यों रखा गया? फिर अचानक उन्हें अस्पताल से छुट्टी क्यों दी गई?

बंगाल में बॉर्डर पर फेंसिंग लगाने पहुंची BSF

- स्थानीय बोले- अब चैन से सो सकेंगे
- बांग्लादेशी हमारी फसल नहीं काट पाएंगे

कोलकाता. पश्चिम बंगाल बॉर्डर का 600 किलोमीटर का एक हिस्सा ऐसा है, जहां बांग्लादेश के साथ सीमा पूरी तरह खुली है। कोई फेंसिंग नहीं है। यहां बीते दिनों जब बीएसएफ की टीम बॉर्डर नापने के लिए पहुंची तो गांव वालों ने मिठाइयां बांटी। यह इलाका है मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार में जीरो लाइन पर बसा सकारपाड़ा गांव। 4 हजार की आबादी और 2500 मतदाता। इनमें 95% लोग खेती पर निर्भर हैं। गांव का भूगोल बेहद संवेदनशील है। घर खत्म होते ही खेत आ जाते हैं और खेत खत्म होते ही बांग्लादेश। ग्राम पंचायत सदस्य पिंटू मंडल का घर गांव में सबसे आखिर में है। परिवार के पास 30 बीघा जमीन है।

शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में नहीं जा पाते थे

स्थानीय पिंटू मंडल ने बताया कि हमें शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन बांग्लादेश के लोग कभी भी हमारे खेतों में घुस आते हैं और फसलें काटकर ले जाते हैं। बीते 30 साल में ऐसा कोई भी महीना नहीं बीता, जब उनसे विवाद न हुआ हो, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा, क्योंकि बीएसएफ ने फेंसिंग लगानी शुरू कर दी है।
वहां से जैसे कोई हरकत होती, जवान माइक से चेतावनी दे देते। इसलिए हमें उम्मीद रहती है कि रात को जैसी फसल छोड़ेंगे, सुबह वैसी मिलेगी। अब तो हम भी अराजक बांग्लादेशियों को ताल ठोककर चुनौती दे रहे हैं।

जनरल सुब्रमणि ने देश के नए CDS का पदभार संभाला

- पाकिस्तान-चीन मामलों के एक्सपर्ट हैं
- असली टास्क सेना में थिएटर कमांड मॉडल को लागू करना होगा

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'JAI' (जॉइंटनेस, आत्मनिर्भरता और नवाचार) विजन को लागू करना प्राथमिकता होगी।
>
> **जनरल एनएस सुब्रमणि**
> चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ

नई दिल्ली. देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को पदभार संभाल लिया। दिल्ली में उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे देश के तीसरे CDS है। उन्होंने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है। जनरल चौहान शनिवार को रिटायर हुए थे।

पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, रक्षा मंत्रालय और सभी संबंधित संस्थान देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एकजुट हैं।

उन्होंने कहा, भारतीय सेना में स्वदेशी हथियारों और सैन्य उपकरणों के अपडेशन, उनकी खरीद और इस्तेमाल को तेज किया जाएगा। सेना की ताकत बढ़ाने के लिए नई सोच और नए तरीकों को अपनाया जाएगा।

CDS सुब्रमणि का पहला टास्क सेना का थिएटर कमांड सिस्टम

नए CDS सुब्रमणि के सामने पहला टास्क सेना में थिएटर कमांड मॉडल को लागू करने को होगा। दरअसल एक दिन पहले सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने थिएटर कमांड व्यवस्था पर बोलते हुए कहा था कि यह प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इससे जुड़ी पूरी रिपोर्ट रक्षा मंत्री को सौंप दी गई है। इसका अलग-अलग लेवल पर रिव्यू भी चल रहा है।

जनरल द्विवेदी ने उम्मीद जताई कि अगले 2 से 3 साल में यह व्यवस्था जमीनी स्तर पर लागू होती दिखाई दे सकती है, इसके लिए तीनों सेनाओं के प्रमुख हितों का ध्यान रखा जाए। अभी भारत में तीनों सेनाओं के अलग-अलग कुल 17 कमांड हैं। किसी सैन्य अभियान के दौरान तीनों सेनाएं मिलकर काम तो करती हैं, लेकिन उनकी कमान अलग-अलग रहती है।

राजस्थान में फिर रेतीला बवंडर उठा

राजस्थान के जैसलमेर में रविवार शाम को फिर से रेतीला बवंडर उठा। इससे दिन में अंधेरा छा गया। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आसमान में दूर से ही धूल का गुबार उठता दिखाई दिया, जो धीरे-धीरे आगे बढ़ा।

इससे पहले शनिवार दोपहर 3 बजे राजस्थान के 5 जिलों श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर में रेतीला तूफान आया था।

यूपी में छात्र की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

- दावा- आरोपी ने बकरीद के दिन स्टूडेंट को बुलाया
- घेरकर चाकू से हमला कर दिया

गाजियाबाद. गाजियाबाद में 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या का मुख्य आरोपी असद (19) एनकाउंटर में मारा गया। आरोपी शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। रविवार तड़के 4 बजे पुलिस ने उसे घेरा तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में ढेर हो गया। पुलिस ने शनिवार को ही उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। मुठभेड़ शहर के वसुंधरा इलाके में हुई।

बकरीद के दिन (28 मई) 17 साल के सूर्या की हत्या हुई थी। नाबालिग दोस्त के मुताबिक, असद ने फोन करके सूर्या को बुलाया। साथियों के साथ उसे घेर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। वारदात से पहले उसने सूर्या से पूछा था- क्या कभी बकरा हलाल होते देखा है? आओ, दिखाते हैं। इसका CCTV भी सामने आया था।

एनकाउंटर पर सूर्या की मां ने कहा- असद की लाश की फोटो दिखाओ, तभी मानूंगी कि उसका एनकाउंटर हुआ है। बाकी आरोपियों का भी एनकाउंटर होना चाहिए।

दो समुदायों से जुड़े होने के चलते मामले ने तूल पकड़ लिया। यूपी सरकार में मंत्री सुनील कुमार शर्मा सुबह 9 बजे सूर्या के परिवार से मिले। उन्होंने कहा- प्रदेश में किसी अपराधी के लिए कोई जगह नहीं है। परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिलाएंगे।

वैभव सूर्यवंशी को एशियन गेम्स टीम में मिल सकती है जगह

- BCCI ने IOA को भेजी 30 संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट
- सूर्यकुमार यादव बाहर

BCCI ने 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आईची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स के लिए इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन (IOA) को 30 संभावित मेंस प्लेयर्स की लिस्ट भेज दी है। PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, इस लिस्ट में भारत के मौजूदा टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम शामिल नहीं हैं, जबकि युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को जगह मिली है।

वेस्टइंडीज सीरीज के कारण दो अलग-अलग टी-20 टीमें बनेंगी

भारत को एशियन गेम्स के दौरान ही घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज खेलनी है। दोनों टूर्नामेंट की तारीखें आपस में टकरा रही हैं। वेस्टइंडीज सीरीज में 27 सितंबर से 17 अक्टूबर के बीच3 वनडे और 5 टी-20 मैच खेले जाने हैं। वहीं, एशियन गेम्स में मेंस टीम के मुकाबले 24 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच होंगे। इस कारण BCCI दो अलग-अलग टी-20 टीमें तैयार करेगा।

शुभमन गिल के वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम की कप्तानी करने की उम्मीद है, इसलिए उन्हें एशियन गेम्स के लिए नहीं चुना गया है। वहीं, सूर्यकुमार यादव को लेकर समझा जाता है कि वे 2028 ओलिंपिक गेम्स और अगले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल नहीं हैं। यही वजह है कि उनका नाम एशियन गेम्स की लिस्ट में भी नहीं है।

श्रेयस, संजू और तिलक कप्तानी की रेस में

एशियन गेम्स की इस 30 सदस्यीय लिस्ट में कप्तानी के लिए तीन मुख्य दावेदार शामिल हैं। इनमें श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन और तिलक वर्मा के नाम शामिल हैं, जिन्हें कप्तान बनाया जा सकता है।

हर्षित राणा भी फिट होने की उम्मीद में लिस्ट में

गेंदबाजों की सूची में जसप्रीत बुमराह का नाम शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा के तब तक फिट होने की उम्मीद है, इसलिए उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा और अर्शदीप सिंह के साथ लिस्ट में रखा गया है।

44 साल बाद ब्यूफोर्ट किले पर लहराया इजरायली झंडा

- लेबनान में घुसी इजरायली सेना

इजरायली सैनिकों ने दक्षिणी लेबनान में रणनीतिक रूप से अहम पहाड़ी पर कब्जा कर लिया है जिसके शीर्ष पर ब्यूफोर्ट किला स्थित है। इस फोर्ट पर लगभग 44 साल बाद इजरायली झंडा लहराया है। यह 26 वर्ष से अधिक समय में लेबनान में इजराइली सेना का सबसे भीतर किया गया कब्जा है। इजराइली सेना ने रविवार को इस बात की जानकारी दी। बताया गया कि इजराली सेना ने नबातियेह शहर के पास स्थित ब्यूफोर्ट किले पर आसपास के गांवों में कई दिन तक चली भीषण लड़ाई और हवाई हमलों के बाद कब्जा किया। इजराइली सैनिकों ने इन गांवों के दुर्गम इलाके में हिजबुल्ला सदस्यों से लड़ाई लड़ी।

किले पर कब्जा करना मार्च की शुरुआत में इजराइल-हिजबुल्ला के बीच ताजा युद्ध शुरू होने के बाद इजराइल के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब 1948 में

इजराइल के गठन के बाद से युद्ध की स्थिति में रहे दोनों देश वाशिंगटन में सीधी वार्ता कर रहे हैं। इजरायल की यह कार्रवाई 17 अप्रैल से लागू नाममात्र के संघर्षविराम के बावजूद हुई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब अगले दौर की वार्ता दो और तीन जून को अमेरिकी विदेश मंत्रालय में होनी है।

इजरायली सेना के अरबी भाषा के प्रवक्ता अवीचाय अद्राई ने 'एक्स' पर एक तस्वीर साझा की जिसमें इजराइली सैनिक किले के बाहर चलते दिख रहे हैं। इजरायल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि सैनिकों ने किले पर इजरायल का ध्वज फहरा दिया है।

इससे पहले 1982 में इजराइली सैनिकों ने इस किले पर कब्जा किया था और 2000 में लेबनान से वापसी तक इस पर उनका कब्जा रहा था। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि उसने कुछ दिन पहले ब्यूफोर्ट रिज और उससे आगे दक्षिण में सुलुकी घाटी में अभियान शुरू किया था, जिसका उद्देश्य हिजबुल्ला के ढांचे को नष्ट करना और 'इजराइली नागरिकों के लिए प्रत्यक्ष खतरों' को दूर करना था। बयान में कहा गया कि सेना जरूरत पड़ने पर अपने 'अभियान का विस्तार करने' के लिए तैयार है।

इंटरनेशनल पैरा एथलीट चिराग त्यागी की हत्या

- गाजियाबाद में साथी खिलाड़ी ने मारी गोली
- गोल्ड मेडल जीतकर लौट रहे थे

गाजियाबाद. इंटरनेशनल भारतीय पैरा खिलाड़ी चिराग त्यागी की शनिवार को गाजियाबाद में हत्या कर दी गई। हत्या चिराग के साथी खिलाड़ी यश खटिक ने ही की। वारदात के समय चिराग बेंगलुरु में हुई इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स इंटरनेशनल प्रतियोगिता में गोल्ड जीतकर घर लौट रहे थे। इस जीत के साथ उन्होंने एशियन पैरा गेम्स में

क्वालिफाई किया था।

चिराग का शव हिंडन क्षेत्र में साईं उपवन में मिला। उनकी पीठ पर गोली का निशान था। चिराग त्यागी गाजियाबाद के रहने वाले थे। वह 100 और 400 मीटर दौड़ में भाग लेते थे। चिराग ने नेशनल और इंटरनेशनल मंचों पर शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया।

एसीपी उपासना पांडेय ने चिराग की प्रेमिका, कोच और परिजनों से पूछताछ की। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने यश खटिक हिरासत में ले लिया। उसने पूछताछ में हत्या करने की बात कबूल कर ली।

पुलिस की जांच और सीसीटीवी फुटेज में सामने आया कि चिराग अपने दोस्त के साथ दिल्ली से ओला कैब से हिंडन तक आए थे। उसके बाद दोनों साईं उपवन गए, जहां चिराग की हत्या की गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मुरादनगर के रहने वाले यश खटिक को हिरासत में लिया।

MP-UP, राजस्थान में गर्मी कम हुई, पारा 40°C से नीचे

नई दिल्ली. वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, बिहार और ओडिशा में पिछले 15 दिन से चल रही भीषण गर्मी से राहत मिली है। आंधी, बारिश और ओले गिरने से इन राज्यों में पारा 40°C से नीचे पहुंच गया है।

आज भी हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, राजस्थान समेत 8 राज्यों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। उत्तराखंड में खराब मौसम के कारण केदारनाथ यात्रा 3 घंटे तक रुकी रही।

हालांकि, शनिवार को देश के 36 शहरों में पारा 40°C से ज्यादा रहा। महाराष्ट्र के विदर्भ में तापमान अभी भी 44°C से ज्यादा है। यहां का चंद्रपुर (चांदा) 44.8°C तापमान के साथ देश में सबसे गर्म रहा। राजस्थान के 5 जिलों श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर में शनिवार दोपहर 3 बजे रेतीला तूफान आया। इसका असर करीब 200 वर्ग किलोमीटर के इलाके में रहा। इस रेतीले तूफान की शुरुआत हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर से हुई थी।

संक्षेप...

इंदिरानगर में पकड़ा गया जख्मी तेंदुआ

ठाणे. वागले इस्टेट क्षेत्र अंतर्गत इंदिरानगर , कैलाश नगर सहित अन्य क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों से दहशत का पर्याय बने एक घायल नर तेंदुए को पकड़ने में वन विभाग के अधिकारियों को सफलता मिली है. तेंदुए के पकड़े जाने के बाद क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है. बेहोशी का इंजेक्शन देकर सुरक्षित पकड़े गए तेंदुए को देखने के लिए स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. बताया गया कि तेंदुए के पैरों के तलुओं सहित शरीर के अन्य स्थानों पर चोट का निशान था. बताया गया कि इंदिरानगर इलाके में एक तेंदुआ पिछले पांच दिनों से घूम रहा था.

गांधारी ब्रिज पर शराबी ड्राइवरों के ख़िलाफ़ कार्रवाई

कल्याण. कल्याण सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट और स्पीड स्क्वॉड के अधिकारियों ने आधी रात के करीब गांधारी ब्रिज पर अचानक जांच की और तेज़ रफ़्तार से गाड़ी चलाने वाले, शराब पीकर टू-व्हीलर चलाने वाले और टिंटेड विंडो लगाकर गाड़ी चलाने वाले कुल 30 ड्राइवरों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की। इस अचानक हुई कार्रवाई का सबसे ज़्यादा असर टू-व्हीलर चलाने वालों पर पड़ा।

पिछले कुछ दिनों से, तेज़ रफ़्तार से गाड़ी चलाने वाले, स्पोर्ट्स बाइक चलाने वाले और शराब पीकर मोटरबाइक और दोपहिया वाहन चलाने वाले ड्राइवर आधी रात के आसपास कल्याण पश्चिम में गांधारी ब्रिज पर बड़ी संख्या में जमा हो रहे हैं। कल्याण सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के डिप्टी रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर आशुतोष बारकुले को शिकायतें मिली थीं कि वे अपनी, दूसरे ड्राइवरों, साथी यात्रियों और आने-जाने वाले ड्राइवरों की जान की परवाह किए बिना ब्रिज पर तेज़ रफ़्तार से गाड़ी चला रहे थे। इन शिकायतों के आधार पर, बरकुल ने गंधार ब्रिज पर लापरवाही से गाड़ी चलाने वाले ड्राइवरों के खिलाफ़ कार्रवाई करने का फ़ैसला किया।

आधी रात को, डिप्टी रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर बारकुले के मार्गदर्शन में, मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर रोहन जाधव और असिस्टेंट मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर प्रशांत सूर्यवंशी स्पीड स्क्वॉड की मदद से अचानक गंधार ब्रिज पर पहुँचे। उन्होंने ब्रिज के दोनों ओर दोपहिया वाहनों और कारों की मदद से ब्रिज पर रोमांचक गतिविधियाँ कर रहे ड्राइवरों को रोका। इस वजह से ड्राइवर मुश्किल में पड़ गए। स्पीड स्क्वॉड ने ब्रिज पर रोमांचक एक्टिविटी कर रहे टू-व्हीलर और कार ड्राइवरों के खिलाफ एक्शन लिया।

कई वाहन चालकों के खिलाफ लिया गया एक्शन

इसके बाद, ब्रिज पर चल रहे भारी वाहनों की जांच की गई। इस जांच में, कई मालवाहक वाहन ड्राइवरों के पास गाड़ी के कागज़ात नहीं थे। उनके खिलाफ पेनल्टी एक्शन लिया गया। स्क्वॉड ने पाया कि कल्याण और भिवंडी की ओर जाने वाली कुछ गाड़ियों के शीशे काले थे। उन गाड़ियों के काले शीशे तुरंत हटा दिए गए। उन गाड़ी ड्राइवरों के खिलाफ पेनल्टी एक्शन लिया गया। कुछ रिक्शा ड्राइवर चार से पांच पैसेंजर लेकर चल रहे थे। वे यूनिफॉर्म में नहीं थे। उन रिक्शा ड्राइवरों के पास गाड़ी के कागज़ात नहीं थे। उन रिक्शा ड्राइवरों के खिलाफ एक्शन लिया गया। ऑपरेशन के दौरान, पता चला कि कुछ नाबालिग टू-व्हीलर चला रहे थे। बारकुले ने कहा कि उनके माता-पिता को मौके पर बुलाया गया और समझाया गया।

जल्द शुरू होगा कुर्ला स्कायवॉक

मुंबई. कुर्ला (पश्चिम) स्थित टैक्सीमेन कॉलोनी से श्रीकृष्ण चौक तक सीताराम भैरू मार्ग पर बनाए जा रहे स्कायवॉक का कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जून 2026 के प्रथम सप्ताह में यह स्कायवॉक आम नागरिकों के लिए खोल दिया जाएगा। इस परियोजना के संबंध में आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने लगातार पत्राचार एवं अनुवर्ती कार्रवाई कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। उनके प्रयासों के चलते परियोजना की प्रगति और शेष कार्यों की जानकारी सार्वजनिक हुई तथा संबंधित विभागों को लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

स्कायवॉक शुरू होने के बाद प्रतिदिन हजारों की संख्या में पैदल यात्रियों को इसका लाभ मिलेगा। विशेष रूप से बारिश के मौसम में इस क्षेत्र में जलभराव की समस्या गंभीर हो जाती है, जिससे लोगों को सड़क पार करने और आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में यह स्कायवॉक नागरिकों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक विकल्प साबित होगा। इसके अलावा, पैदल यात्रियों के लिए अलग मार्ग उपलब्ध होने से सड़क पर भीड़ कम होगी और यातायात व्यवस्था अधिक सुचारु बनेगी। इससे ट्रैफिक जाम की समस्या में कमी आएगी तथा वाहन चालकों और आम नागरिकों दोनों को राहत मिलेगी।

अनिल गलगली ने मांग की है कि स्कायवॉक के साथ दोनों ओर के एस्केलेटर भी जल्द से जल्द चालू किए जाएं, ताकि नागरिकों को परियोजना का पूर्ण लाभ मिल सके।

बेरोज़गार इंजीनियरों को मंत्री ने दी राहत

■ **भूमापन कार्यालय में पेंडिंग काम हुआ तेज़**

भिवंडी. राजस्व विभाग के सर्वे ऑफिस में होने वाले मेज़रमेंट और सर्वे का काम इच्छुक सिविल इंजीनियरों को दिलाने की मांग पर पॉजिटिव जवाब देते हुए, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने संबंधित अधिकारियों को ज़रूरी कार्रवाई करने का आदेश दिया है. इस फैसले से राज्य में बेरोज़गार सिविल इंजीनियरों के लिए रोज़गार के नए मौके बनेंगे और सर्वे ऑफिस में पेंडिंग काम में भी तेज़ी आएगी.

इंजीनियर्स महाराष्ट्र एसोसिएशन के अध्यक्ष इंजीनियर संजय शिंदे ने राजस्व मंत्री से मिलकर सर्वे ऑफिस में मेज़रमेंट का काम सिविल इंजीनियरों को देने की मांग करते हुए उन्हें एक मेमोरेंडम दिया था. इस मेमोरेंडम पर ध्यान देते हुए, राजस्व मंत्री बावनकुले ने तुरंत संबंधित डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी से जानकारी मांगी और मामले का रिव्यू किया. इसके बाद, उन्होंने सर्वे कमिश्नर, पुणे को सर्वे और मेज़रमेंट का काम करने के इच्छुक सिविल इंजीनियरों को रोज़गार दिलाने के लिए ज़रूरी कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

इस फैसले से लैंड सर्वे ऑफिस में मैनपावर की कमी के कारण पेंडिंग मेज़रमेंट के मामलों को निपटाने में मदद मिलेगी. उम्मीद है कि मेज़रमेंट की कमी की वजह से कोर्ट में पेंडिंग क्लेम, ज़मीन के झगड़े और दूसरे एडमिनिस्ट्रेटिव केस में होने वाली देरी कम होगी. इससे नागरिकों के साथ-साथ सरकारी सिस्टम का भी समय और मैनपावर का नुकसान रोकने में मदद मिलेगी.

रेवेन्यू डिपार्टमेंट द्वारा लागू किए जाने वाले रोड, बिल्डिंग और दूसरे इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े सिविल इंजीनियरिंग सेक्टर में इंजीनियरों को नौकरी देने का भी एक पॉजिटिव फैसला लिया गया है. बताया गया कि इस बारे में जल्द ही एक प्लानिंग मीटिंग की जाएगी. इस मीटिंग में महाराष्ट्र इंजीनियर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट इंजीनियर संजय शिंदे, वर्किंग प्रेसिडेंट प्रकाश चव्हाण, एग्जीक्यूटिव मेंबर मनोज मडगुलकर, वाइस प्रेसिडेंट निसर्गराज सोनवणे, अमोल ऐंचवार, ठाणे डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट ज्ञानेश्वर मुकादम, सागर भावसार और दूसरे अलग-अलग इलाकों के इंजीनियर मौजूद थे. ठाणे डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट इंजी. ज्ञानेश्वर मुकादम (ओम भाऊ) ने ठाणे डिस्ट्रिक्ट के लोकल सिविल इंजीनियरों से इसका फायदा उठाने की अपील की है.

सीएनजी फिर महंगी

मुंबई. मुंबई महानगर क्षेत्र (MMR) में एक बार फिर CNG की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद ऑटो और टैक्सी किराए में संशोधन की मांग तेज हो गई है। लगातार बढ़ती ईंधन लागत को देखते हुए विभिन्न ऑटो-रिक्शा और टैक्सी यूनियनों ने किराया बढ़ाने की मांग उठाई है।

महानगर गैस लिमिटेड (MGL) ने CNG की कीमत में 2 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की है, जिसके बाद मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में CNG का नया रेट 86 रुपये प्रति किलो हो गया है। यह मई महीने में दूसरी बार हुआ है जब CNG की कीमत बढ़ाई गई है।

यूनियन नेताओं का कहना है कि लगातार बढ़ रही गैस की कीमतों के कारण वाहन चालकों की आय पर सीधा असर पड़ रहा है। उनका दावा है कि मौजूदा किराया ढांचा बढ़ती परिचालन लागत को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

ठाणे ट्रैफिक पुलिस टीचरों को सिखाएगी रोड सेफ्टी के सबक

■ **ट्रेनिंग क्लास 3 से 10 जून तक**

ठाणे. ट्रैफिक डिपार्टमेंट ने शहर में एक्सीडेंट कम करने और स्कूल स्टूडेंट्स में ट्रैफिक नियमों के बारे में जागरूकता लाने के लिए एक खास पहल की है। हर स्कूल और जूनियर कॉलेज के टीचर्स को रोड सेफ्टी की क्लास दी जाएगी। ठाणे डिवीज़न में टीचर्स के लिए एक खास ट्रेनिंग वर्कशॉप रखी गई है और 3 से 10 जून तक एक ट्रेनिंग कैंप लगेगा। उसके बाद, टीचर्स से अपील की गई है कि वे अपने स्टूडेंट्स में ट्रैफिक नियमों के बारे में जागरूकता लाएं।बढ़ते ट्रैफिक जाम और सड़क एक्सीडेंट को देखते हुए, महाराष्ट्र पुलिस डिपार्टमेंट (होम डिपार्टमेंट) और एजुकेशन डिपार्टमेंट की मिली-जुली पहल से स्कूल स्टूडेंट्स में अनुशासन, सुरक्षा और ज़िम्मेदार नागरिक होने की भावना पैदा करने के लिए एक ज़रूरी कदम उठाया गया है। स्कूल लाइफ में ही स्टूडेंट्स में रोड सेफ्टी के बारे में अवेयरनेस लाने के लिए, ठाणे पुलिस कमिश्नर आशुतोष डुंबरे, जॉइंट कमिश्नर डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण, ठाणे ट्रैफिक पुलिस डिप्टी कमिश्नर पंकज शिरसाठ और एजुकेशन डिपार्टमेंट ने 'रोड सेफ्टी एंड इमरजेंसी मैनेजमेंट' टीचर ऑफिसर ट्रेनिंग कैंप ऑर्गनाइज़ किया है।

ट्रेनिंग ज़रूरी होगी

ठाणे डिवीज़न के हर स्कूल से कम से कम एक टीचर इस वर्कशॉप में हिस्सा लेगा। इस स्पेशल ट्रेनिंग में, सुबह और शाम ग्राउंड पर परेड, ट्रैफिक रेगुलेशन के साथ-साथ इंटरनल सेशन के ज़रिए डिज़ास्टर मैनेजमेंट, सिविल डिफेंस, फर्स्ट एड, फायरफाइटिंग पर डिटेल में गाइडेंस दी जाएगी। यह ट्रेनिंग स्टूडेंट्स में डिसिप्लिन, लीडरशिप क्वालिटी और सोशल कमिटमेंट डेवलप करने में ज़रूरी होगी।

टीचरों से अपील

अभी, 172 RSP टीचर्स को ट्रेनिंग दी गई है और ठाणे ट्रैफिक पुलिस डिप्टी कमिश्नर पंकज शिरसाठ ने ठाणे के टीचर्स से इस रोड सेफ्टी कैंपेन में हिस्सा लेने की अपील की है। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने भरोसा जताया है कि ठाणे के ट्रैफिक कंट्रोल रूम में ऑर्गनाइज़ इस इनिशिएटिव से ट्रैफिक सेफ्टी के बारे में लोगों में अवेयरनेस बढ़ेगी।

श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए राज्यपाल

ठाणे. महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा पुरुषोत्तम मास में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा में शामिल होकर उससे मिले ईश्वरी ज्ञान को अपने जीवन में उतारने का दृढ़ संकल्प लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत सिर्फ एक धार्मिक ग्रन्थ नहीं है, बल्कि एक महान ग्रंथ है जो समाज को एक आदर्श जीवन, मूल्यों और संस्कृति जीने की प्रेरणा देती है। राज्यपाल ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा मानव जीवन को धैर्य, सेवा, करुणा, कर्तव्य और नैतिकता का संदेश देती है। बदलते समय में समाज में नैतिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए ऐसी आध्यात्मिक गतिविधियों का महत्व बढ़ गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई भागवत कथा में दिए गए विचारों को अपना ले, तो उसका जीवन और भी खुशहाल और समाज के लिए फायदेमंद बन सकता है।

SST महाविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय शोध क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि

अमेरिका की युडॉक्सिया रिसर्च यूनिवर्सिटी के सहयोग से 'टेक्नोव्हा 2.0' सफलतापूर्वक संपन्न

उल्हासनगर. एसएसटी महाविद्यालय तथा युडॉक्सिया रिसर्च यूनिवर्सिटी (अमेरिका) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ई-कॉन्फ्रेंस 'टेक्नोव्हा 2.0 – 2026' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। "टेक्नोलॉजी, साइंस एवं मल्टीडिसिप्लिनरी इनोवेशन में उभरते रुझान" विषय पर आधारित इस सम्मेलन में भारत सहित विभिन्न देशों के शोधकर्ताओं, प्राध्यापकों, विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस सम्मेलन में विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा बहुविषयक अनुसंधान के क्षेत्र में नई अवधारणाओं, शोध निष्कर्षों और नवाचारों पर गहन चर्चा की गई। सहभागी शोधकर्ताओं ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे आधुनिक विकास और चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

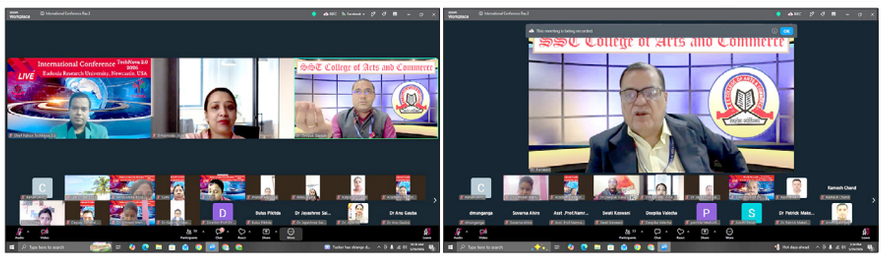

सम्मेलन के दौरान विशेषज्ञों ने मानव जीवन पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव, विज्ञान में अत्याधुनिक शोध तथा शिक्षा क्षेत्र में हो रहे नवाचारपूर्ण परिवर्तनों पर अपने विचार व्यक्त किए। वैश्विक स्तर पर शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर ज्ञान, अनुभव और अनुसंधान के आदान-प्रदान के महत्व को भी रेखांकित किया गया।

उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने कहा कि तेजी से बदलते तकनीकी युग में इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के बौद्धिक विकास तथा वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस सम्मेलन की सफलता के लिए महाविद्यालय की SSTRACC समिति, प्रबंधन, प्राचार्य, विभागाध्यक्षों, प्राध्यापकगण, तकनीकी सहायकों तथा युडॉक्सिया रिसर्च यूनिवर्सिटी के पदाधिकारियों ने विशेष प्रयास किए।

तान्या मित्तल को नहीं चाहिए अमीर पति

■ **बोलीं- मेरा पार्टनर रोज मुझसे 10-15 लाख रुपए मांगे और मैं दे सकूं**

इन्फ्लुएंसर और पूर्व बिग बॉस कंटेस्टेंट तान्या मित्तल ने कहा कि वह अमीर पार्टनर नहीं चाहतीं। वह खुद इतनी आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहती हैं कि अपने पार्टनर की हर बड़ी पैसों से जुड़ी जरूरत को आसानी से पूरा कर सकें।

पिंकविला को दिए इंटरव्यू में तान्या मित्तल ने कहा, 'मैं जिससे प्यार करती हूं या जिसके साथ हूं, उसके लिए अपना सब कुछ देने को हमेशा तैयार रहती हूं। मैं ऐसा पहले भी कर चुकी हूं और आगे भी करूंगी। मैं नहीं चाहती कि मुझे कोई अमीर पति मिले। अगर मेरे पति के पास कुछ भी न हो, तब भी मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।'

इन्फ्लुएंसर ने आगे कहा, 'मैं चाहती हूं कि वह रोज सुबह उठकर मुझसे 10-15 लाख रुपए मांगे और मेरी इतनी क्षमता हो कि मैं उसे हर दिन 10-15 लाख रुपए दे सकूं। मतलब, मैं ऐसी गर्लफ्रेंड/पत्नी बनना चाहती हूं।'

तान्या मित्तल जल्द कॉमेडी और कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' में नजर आएंगी। इसमें तान्या मां सुनीता मित्तल के साथ जोड़ी में दिखेंगी।

हाल ही में 'मां है ना' के प्रमोशनल इवेंट्स के दौरान तान्या और स्प्लिट्सविला X6 विनर गुल्लू उर्फ कुशल तंवर के बीच हल्की-फुल्की नोकझोंक देखने को मिली थी।

जब गुल्लू के बारे में पूछा गया, तो तान्या ने कहा कि दूसरों को हराने के लिए उनका खाना खराब करना गलत है। जब आप खुद पर कॉन्फिडेंट नहीं होते, तब आप दूसरों के साथ ऐसा करते हैं।

कांग्रेस का अनोखा विरोध प्रदर्शन

■ **घोड़े पर सवार होकर बांटे मेलोडी चॉकलेट**

कल्याण. पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कल्याण में कांग्रेस ने अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नवीन सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कल्याण स्टेशन परिसर में जमकर नारेबाजी कर केंद्र व राज्य सरकार के विरुद्ध अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष नवीन सिंह घोड़े पर सवार होकर स्टेशन परिसर पहुंचे और वहां मौजूद लोगों को मेलोडी चॉकलेट बांटी।

इसके बाद घोड़े पर सवार होकर ही कार्यकर्ताओं के साथ तहसील कार्यालय तक मार्च निकाला और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर तहसीलदार को ज्ञापन सुपुर्द किया। इस मोर्चे में कांग्रेस के अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष सलीम शेख, नगरसेविका समीना शेख, युवा पदाधिकारी आजम शेख, अमित सिंह, सत्यभामा जैसवार, अजीत सिंह, श्रेयस सिंह, सुशील उपाध्याय एवं आजम खान सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे। कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के इस अनोखे विरोध-प्रदर्शन ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। साथ ही महंगाई के विरुद्ध लोगों ने आवाज भी बुलंद किया।

लापता

विक्रम अर्जुनदास दुधानी

आयु: 59 वर्ष

19 मई 2026 को करीब 10 बजे से विक्रम अर्जुनदास दुधानी लापता हो गए हैं।

उन्हें मिर्गी (फिट) की बीमारी है।

शिकायत विवरण

लापता होने की शिकायत क्रमांक (51/2026) दिनांक 21 मई 2026 को सेंट्रल पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है।

यदि किसी को यह व्यक्ति कहीं भी मिले या इनके बारे में कोई जानकारी हो, तो कृपया तुरंत संपर्क करें।

पता: बैरक नं. 887, सेक्शन 18, रूम नं. 1, दिलीप महाराज के पास, उल्हासनगर-3

संपर्क करें: 9604387598 | 7972932526 | 932169797

कृपया इस सूचना को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने में सहयोग करें।

نوجیون کو آپریٹو بنک لمیٹیڈ

NAV JEEVAN CO-OP. BANK

THE NAVJEEVAN CO.OP. BANK LTD. ESTD : 1985

Head Office:
Bhawani Saw Mills Compound,
Ulhasnagar-3.
☎: 0251-2572101:2568541/Fax 2567523
Visit us at: www.navjeevanbank.com

SERVICES AVAILABLE

Features and Services of Bank

- Different types of Deposits Schemes with Attractive Deposits Rates.
- All types of Loans & Advances facilities with Competitive Rate.
- 24x7 NEFT/RTGS Services.
- Safe and Secure Mobile Banking Service with NEFT and RTGS Services.
- Franking Service in Ulhasnagar and Thane.
- Insurance Service through corporate Partners

Upcoming Service

Blocking & Unblocking ATM cards through SMS.

उल्हास वि NEWS LIVE
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985

Late Shri. ASHOK U. BODHA
18-02-1945 to 19-12-2017

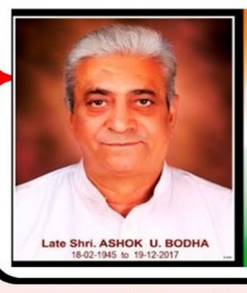

www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099